गूगल न्यूज़ में हमारे साथ जुड़ें NBT को सिलेक्ट कर

…नापन … में', वेदांता चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने हिंदी … दिल

…| नवभारत… …, 3:41 pm IST

Subscribe YouTube 12M

Vedanta Chairman Anil Agarwal: वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सोमवार को हिंदी दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया के लिए खास संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी के शब्दों में मां जैसा अपनापन होता है। साथ ही उन्होंने कहा कि युवा हिंदी के दम पर दुनिया को लीड करने के लिए तैयार हैं।

Advertisement

2nd T20I, India in Afghanistan
15 SEP AFG 159/8 20.0 ov
IND 100/2 7.1 ov
IND need 60 runs in 77 balls at 4.67 rpo

Advertisement

हिंदी दिवस पर अनिल अग्रवाल की पोस्ट।

नई दिल्ली: वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने हिंदी दिवस के मौके पर हिंदी भाषा के महत्व को लेकर एक खास संदेश साझा किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि हिंदी सिर्फ भाषा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की पहचान और दिलों से जुड़ने का माध्यम है।

भारत में हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर अनिल अग्रवाल ने हिंदी की सरलता,

अपनापन और बदलते डिजिटल दौर में इसकी बढ़ती भूमिका पर अपनी बात रखी। उन्होंने अपनी पोस्ट में हिंदी की तुलना मां के अपनेपन से की।

रेकमेंडेड खबरें ›

भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश... LNG खरीदने पर खर्च कर दिए ₹71000...

US Debt Crisis: ब्याज, सोशल सिक्योरिटी, मेडिकेयर, हेल्थकेयर और...

₹19166360000000 का टारगेट, भारत-यूएई का बड़ा प्लान, BRICS के भरोसे...

कंटेनर में भरा था 'पाकिस्तानी माल' कागज में दिखाया जा रहा था UAE ...

महंगाई ने फिर बढ़ाई टेंशन, अगस्त में WPI 9.92%

Anil Agarwal News: छत्तीसगढ़ में सोना खोजने उतरी अनिल अग्रवाल की वेदांता, भारत में पहली बार हो रहा पोर्टेबल रिग का इस्तेमाल

'हिंदी के शब्दों में मां जैसा अपनापन'

अनिल अग्रवाल ने अपनी पोस्ट में लिखा कि हिंदी के शब्दों में मां जैसा अपनापन है। उन्होंने कहा कि आज करीब 60 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह कितने लोगों की जुबान और पहचान है।

उन्होंने कहा कि साल 2024 में 87 करोड़ इंटरनेट यूजर्स ने भारतीय भाषाओं में कंटेंट एक्सेस किया। इससे साफ है कि हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाएं सिर्फ भारत की विरासत नहीं हैं, बल्कि देश के डिजिटल भविष्य की भी महत्वपूर्ण भाषाएं हैं।

Advertisement

दुनिया को लीड करने को तैयार युवा

- अनिल अग्रवाल ने अपनी पोस्ट में हिंदी क्षेत्र के युवाओं का भी जिक्र किया।
- उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात में कोई संदेह नहीं है कि हिंदी बेल्ट का युवा अब हिंदी के दम पर दुनिया से मुकाबला करने के साथ-साथ दुनिया का नेतृत्व करने के लिए तैयार है।
- उन्होंने सोशल मीडिया और रोजमर्रा की जिंदगी में हिंदी के इस्तेमाल को लेकर अपने अनुभव भी साझा किए।
- उनके मुताबिक, सोशल मीडिया के जरिए भारत के दिल से जुड़ना हो या अपने विचारों को रोजमर्रा के कामों में व्यक्त करना हो, उनके लिए हिंदी हमेशा सहज भाषा रही है।

अंग्रेजी का भी किया जिक्र

अनिल अग्रवाल ने अपनी पोस्ट में अंग्रेजी भाषा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह अक्सर इस बात पर जोर देते हैं कि जितना जरूरी गांव के बच्चों के लिए अंग्रेजी सीखना है, उतना ही जरूरी शहरों के बच्चों का हिंदी से जुड़ना भी है। उन्होंने कहा कि भाषा को लेकर किसी तरह की हीन भावना नहीं होनी चाहिए और हिंदी को उसकी सरलता के साथ आगे बढ़ने देना चाहिए।

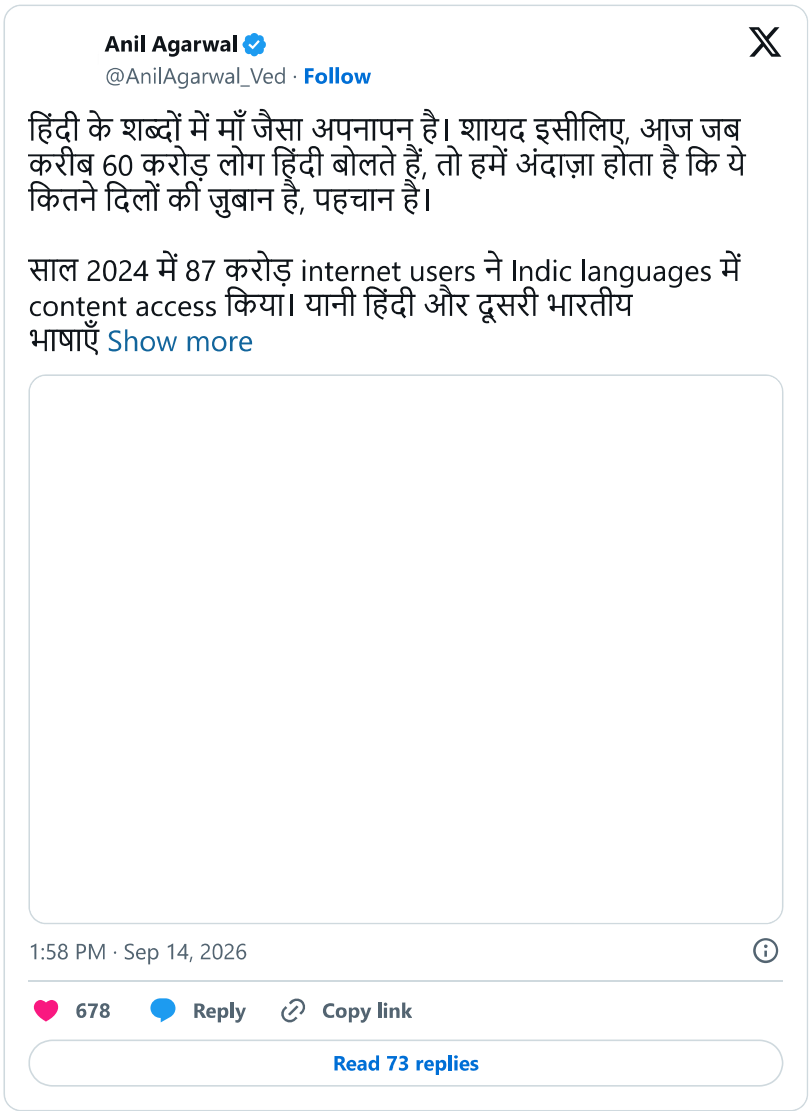

हिंदी के भविष्य को बताया उज्ज्वल